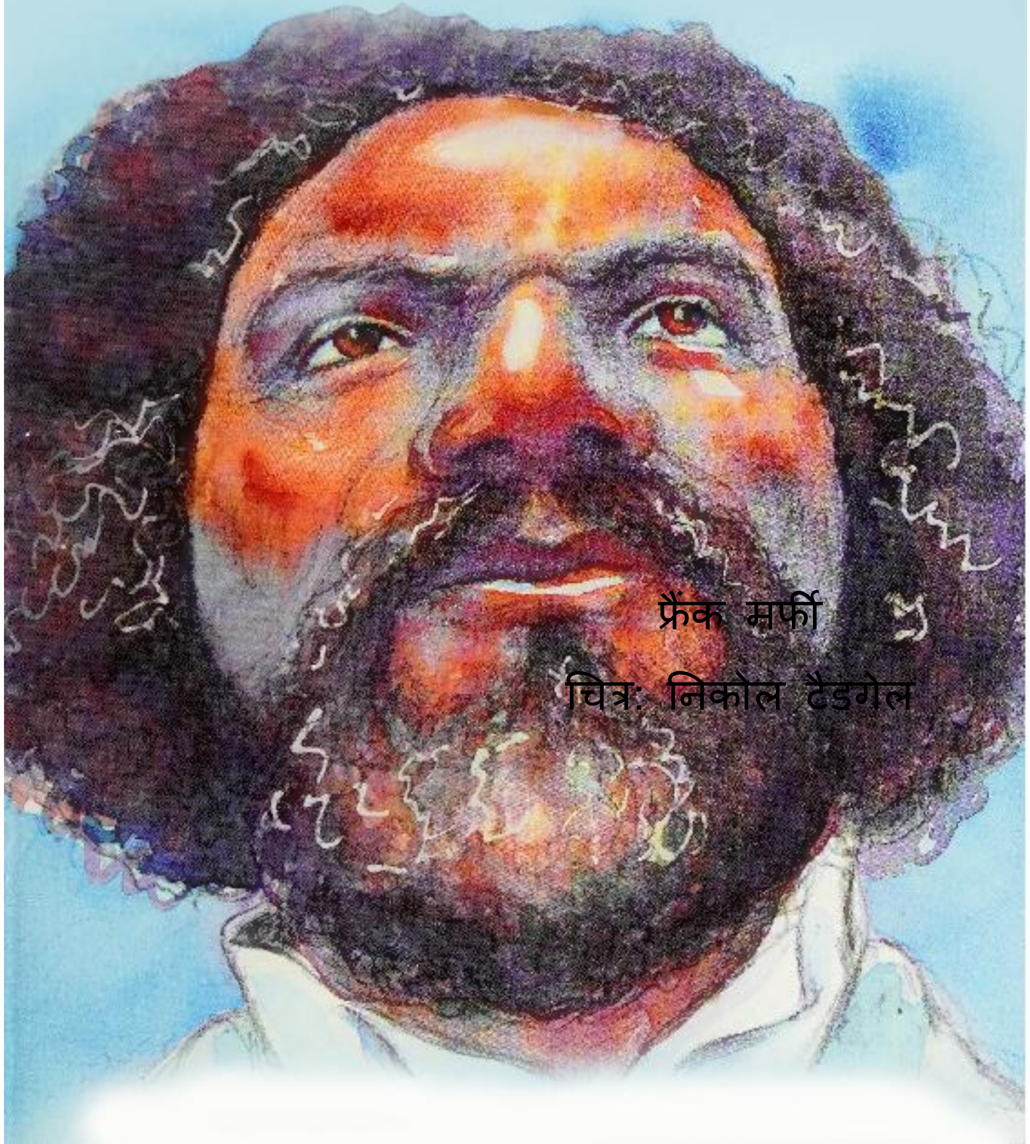
फ्रेडरिक डगलस

न्याय की आवाज़, आज़ादी की आवाज़

फ्रैंक मर्फी, चित्र: निकोल टैडगेल



फ्रेडरिक डगलस

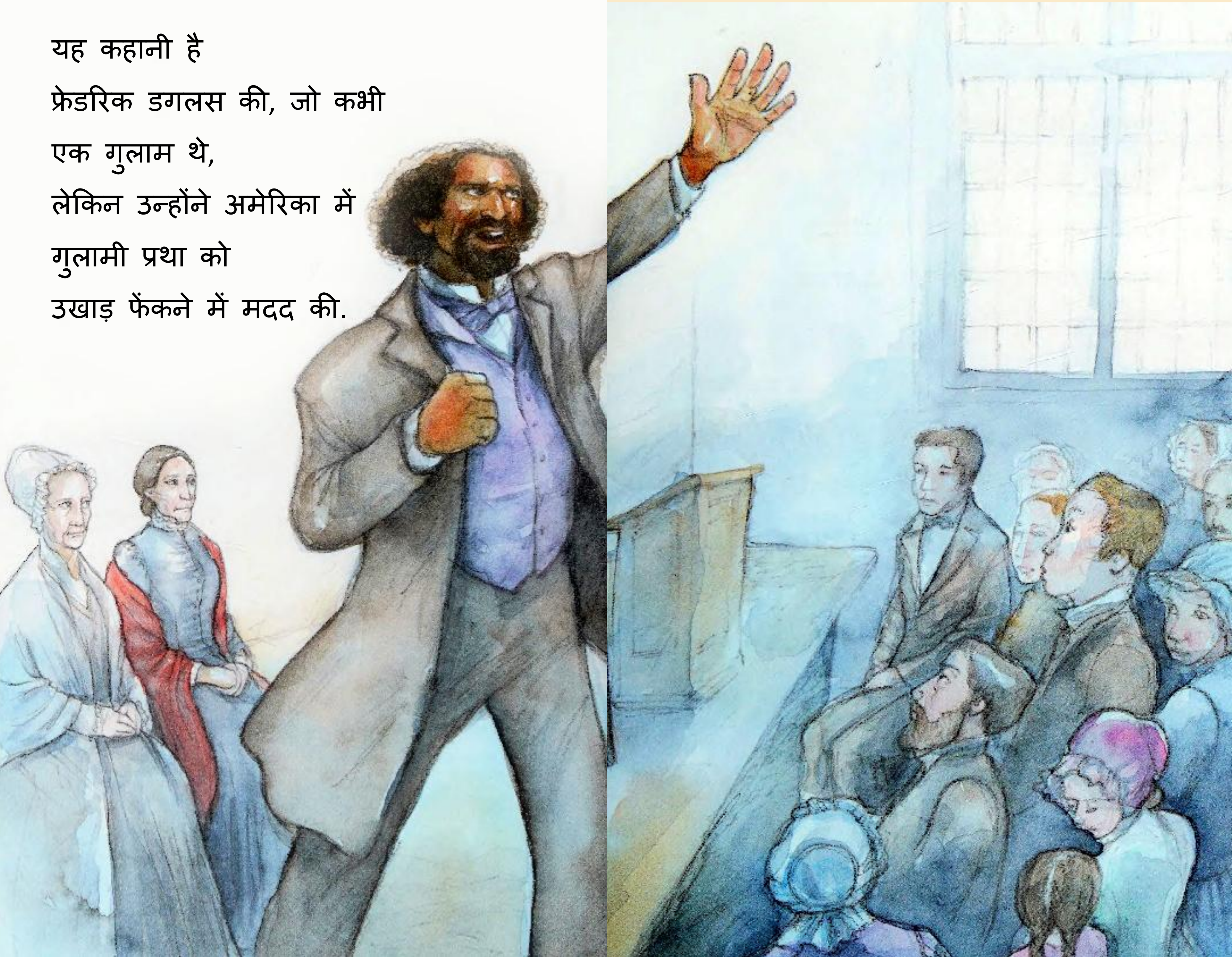
न्याय की आवाज़, आज़ादी की आवाज़



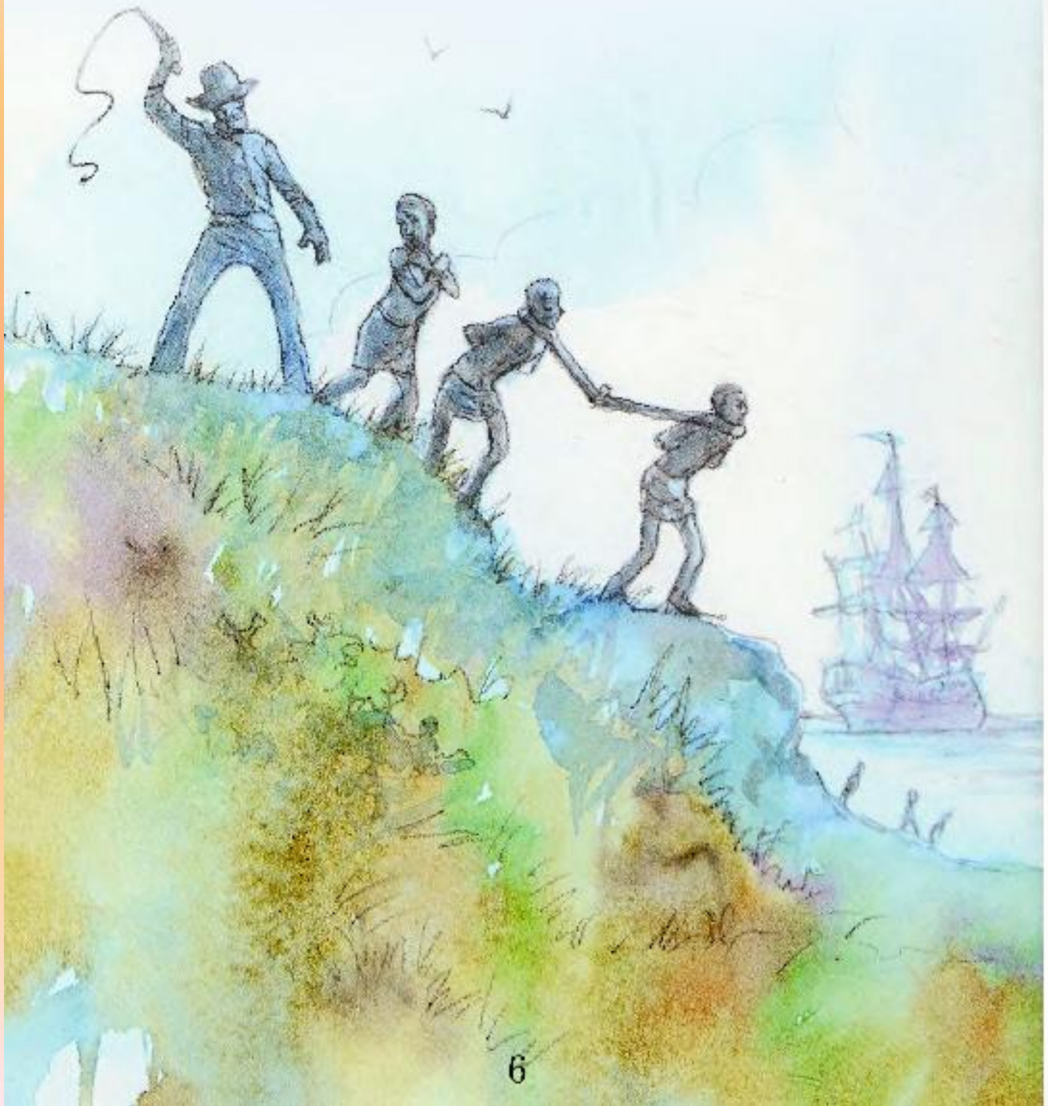
फ्रैंक मर्फी

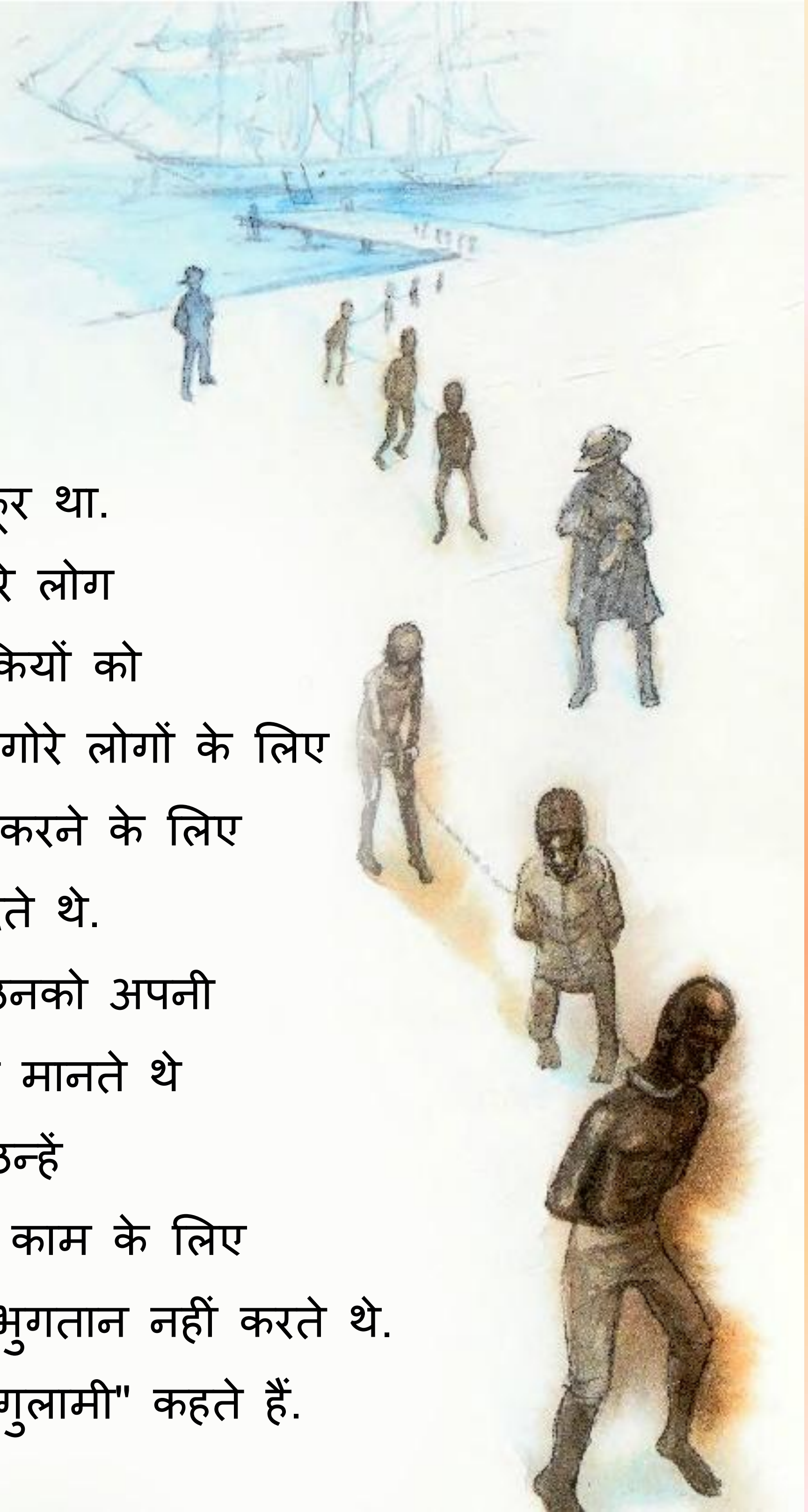
चित्र: निकोल टैडगेल

यह कहानी है
फ्रेडरिक डगलस की, जो कभी
एक गुलाम थे,
लेकिन उन्होंने अमेरिका में
गुलामी प्रथा को
उखाड़ फेंकने में मदद की.



1600 के दशक की शुरुआत में,
कुछ गोरे लोगों ने
कई अफ्रीकी देशों से अगवा किए
अश्वेत लोगों को खरीदा
और उन्हें अमेरिका ले आए.





यह क्रूर था.
ये गोरे लोग
अफ्रीकियों को
दूसरे गोरे लोगों के लिए
काम करने के लिए
बेच देते थे.
गोरे उनको अपनी
संपत्ति मानते थे
और उन्हें
उनके काम के लिए
कोई भुगतान नहीं करते थे.
इसे "गुलामी" कहते हैं.



फ्रेडरिक डगलस की माँ,
हैरियट बेली,
गुलामी में पैदा हुई थीं.
इसका मतलब था कि फ्रेडरिक
भी गुलामी में पैदा हुए थे.



फ्रेडरिक के मालिक ने
उसे उसका सही जन्मदिन नहीं बताया.
फ्रेडरिक को लगा कि
उसका जन्म 1817 में
कभी हुआ था.

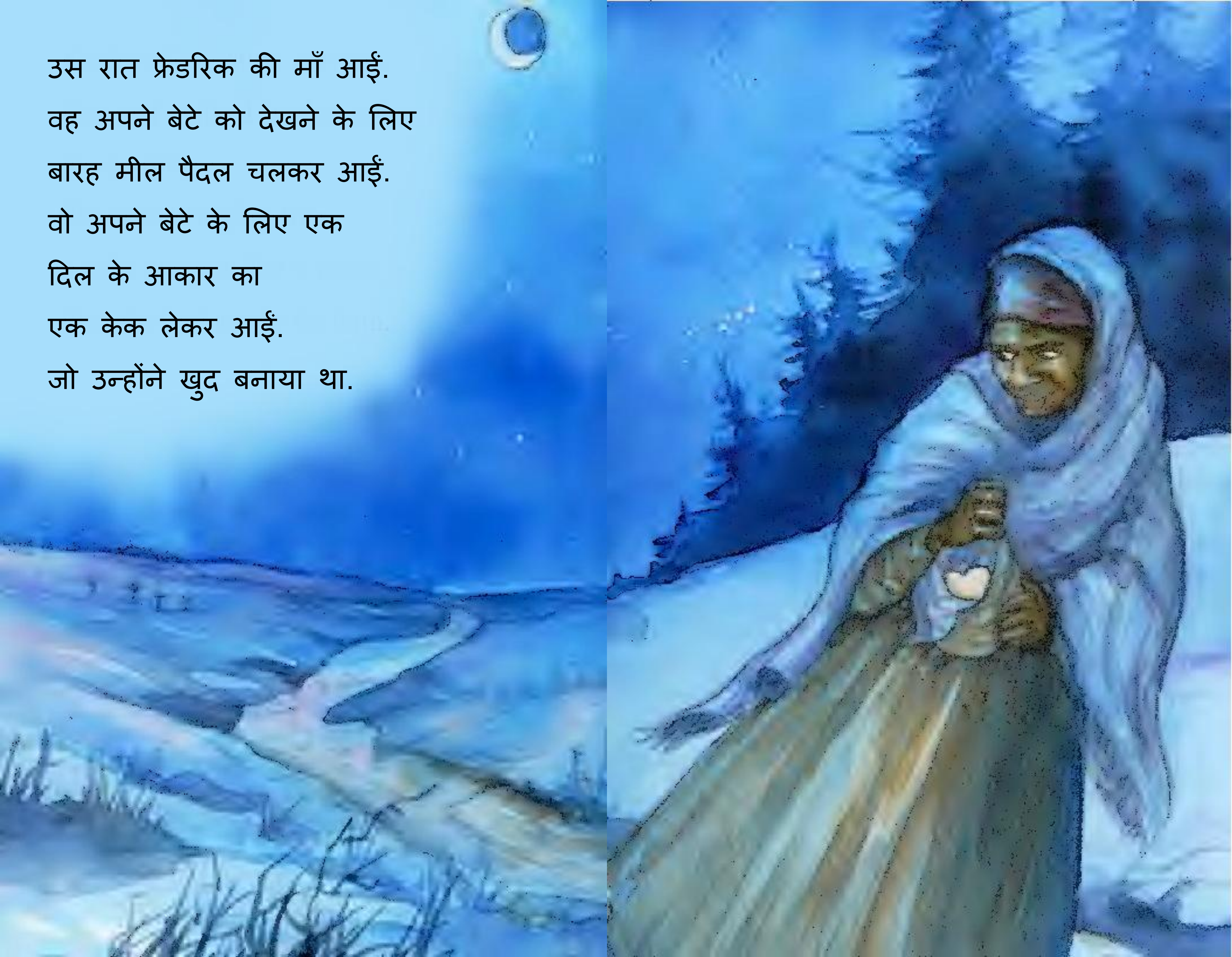
कई गुलाम मालिक
गुलाम परिवारों को
एक-साथ रखना
ज़रूरी नहीं समझते थे.
फ्रेडरिक अपनी माँ के साथ नहीं रहता था.
वो अपनी माँ से जीवन में
बस कुछ ही बार मिल पाया.



एक दिन,
फ्रेडरिक को एक महिला ने
अनुचित रूप से सजा दी
वो महिला खुद भी एक गुलाम थी.
उसने फ्रेडरिक को खाना नहीं दिया.



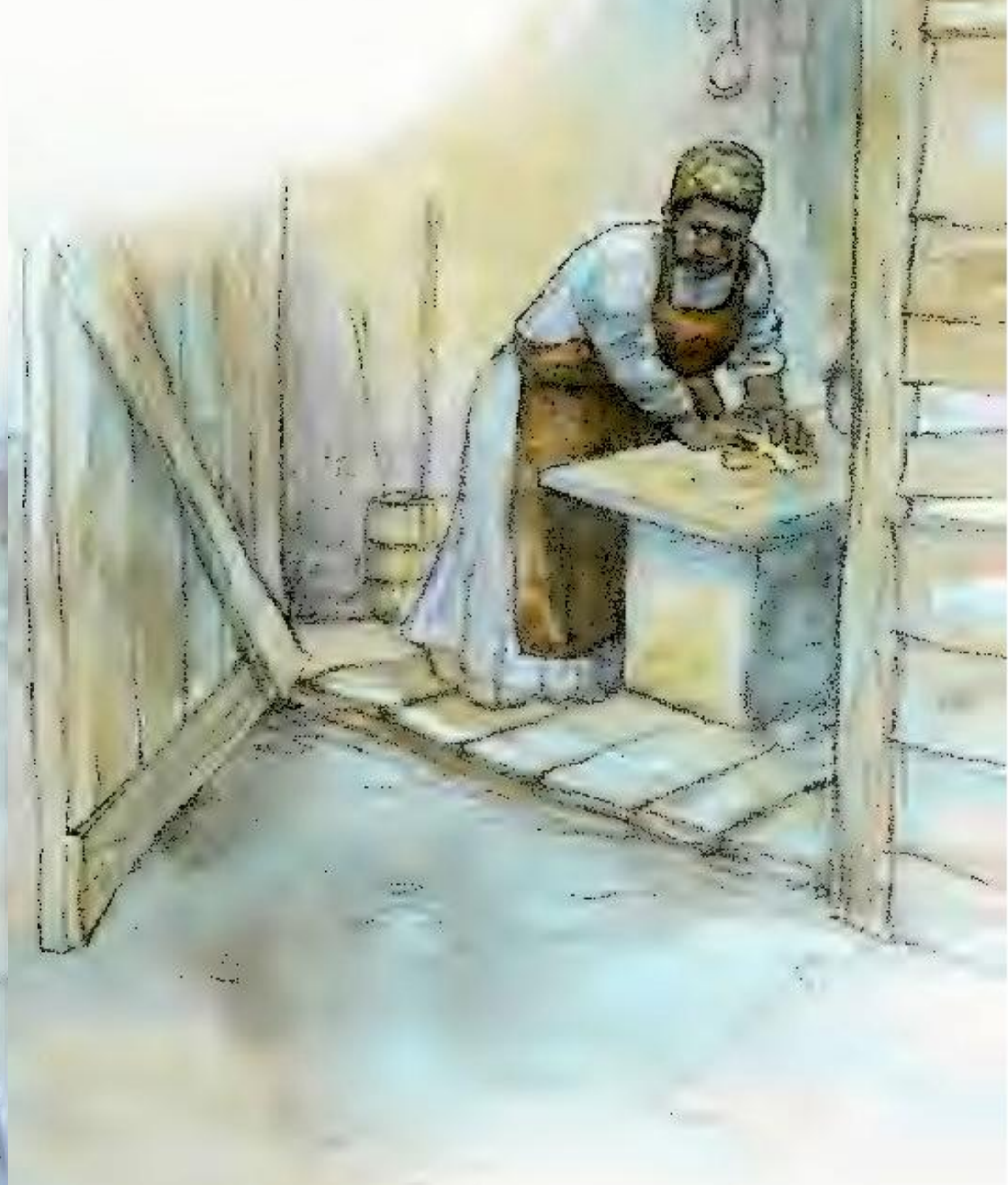
उस रात फ्रेडरिक की माँ आईं.
वह अपने बेटे को देखने के लिए
बारह मील पैदल चलकर आईं.
वो अपने बेटे के लिए एक
दिल के आकार का
एक केक लेकर आईं.
जो उन्होंने खुद बनाया था.



जब माँ ने देखा
कि उस महिला ने उनके
बेटे के साथ दुर्व्यवहार किया है,
तो वो बहुत गुस्सा हुईं.



माँ ने महिला को फटकारा
कि उसे फिर कभी भी
इस तरह सज़ा न देने को कहा.



गुलाम लोगों के लिए पढ़ना-लिखना
सीखने पर पाबंदी थी.
लेकिन फ्रेडरिक के
गुलाम मालिक की पत्नी ने
फ्रेडरिक को वर्णमाला सिखाई.
उसने उसे पढ़ना
सिखाना शुरू किया.

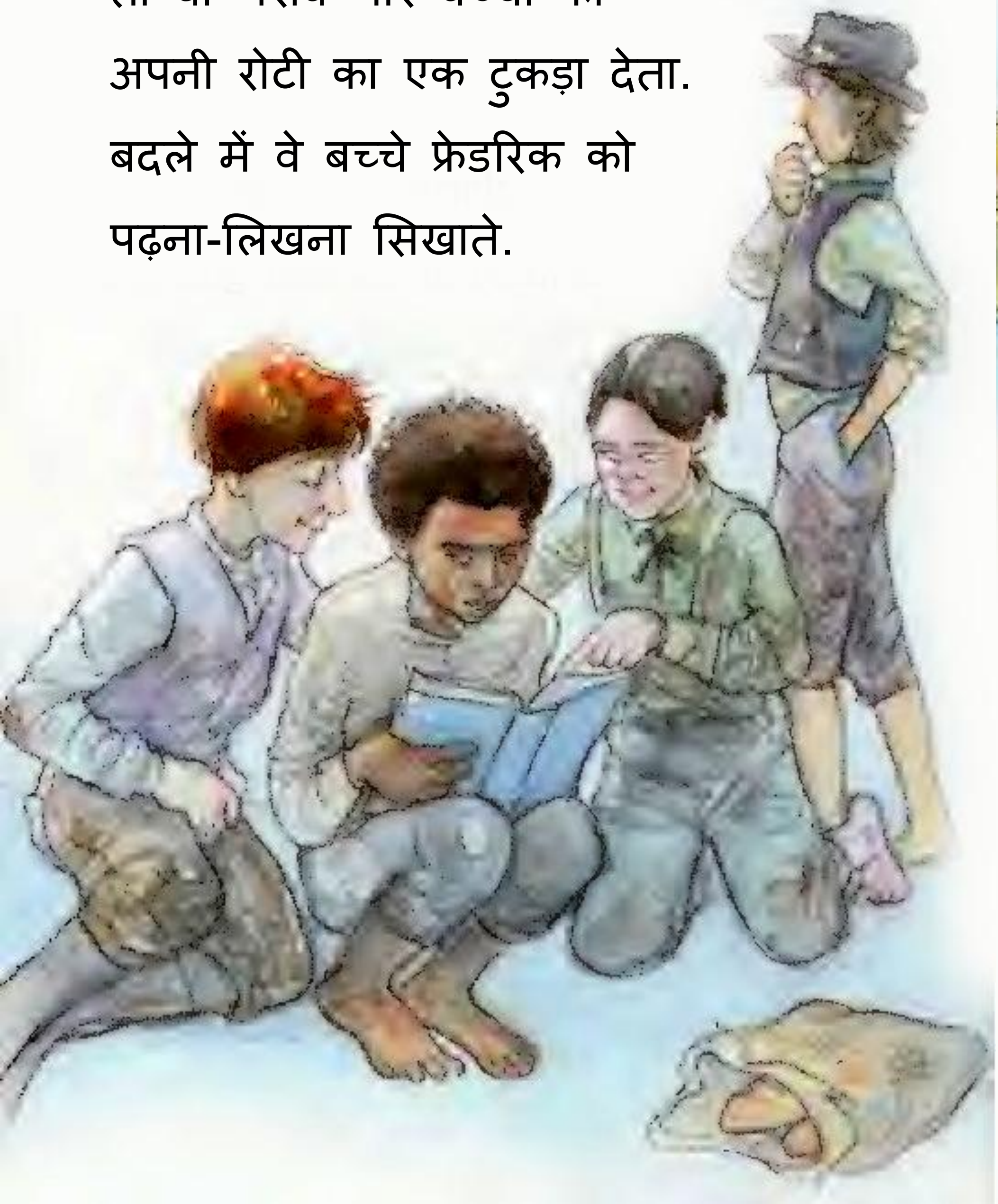


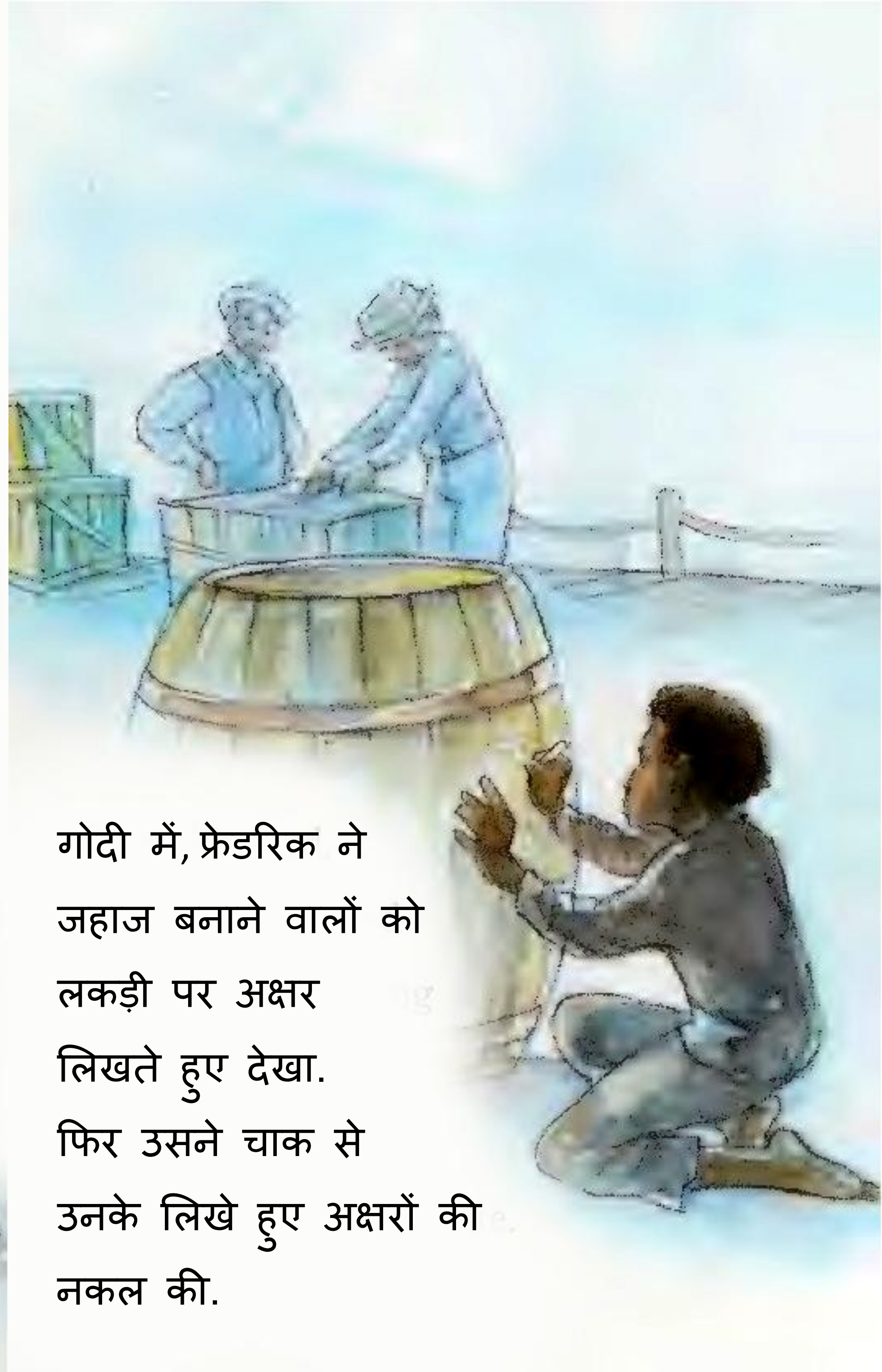
लेकिन जैसे ही
महिला के पति को
उस बात का पता चला,
महिला ने फ्रेडरिक को
पढ़ना-लिखना सिखाना
बंद कर दिया.



गुलाम मालिकों को
डर था कि
अगर अश्वेत लोग पढ़ना सीख गए,
तो फिर वे गुलामी प्रथा का
विरोध करने लगेंगे.

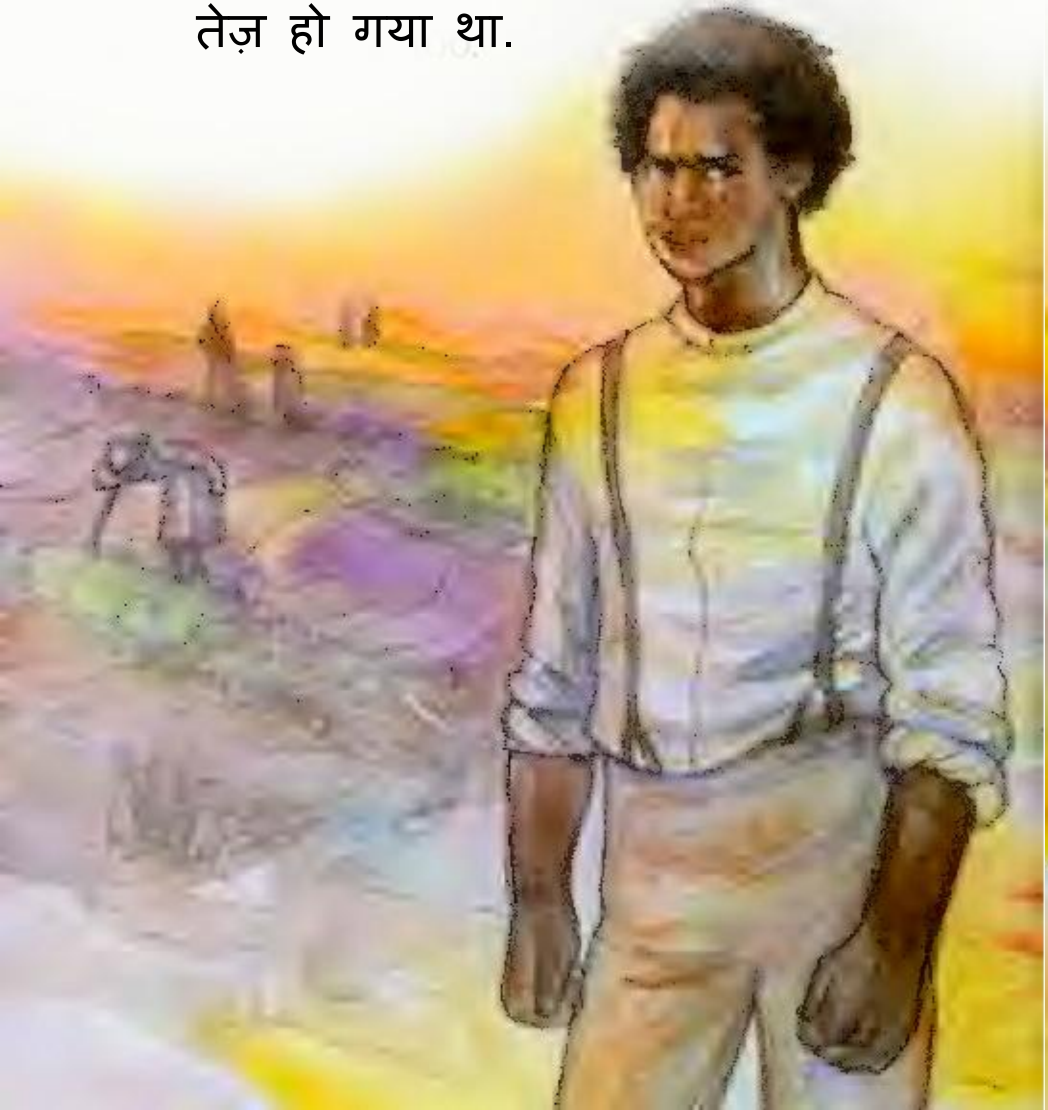
लेकिन फ्रेडरिक ने सीखने के
दूसरे तरीके खोज निकाले.
जब वह काम पर जाता,
तो वो गरीब गोरे बच्चों को
अपनी रोटी का एक टुकड़ा देता.
बदले में वे बच्चे फ्रेडरिक को
पढ़ना-लिखना सिखाते.



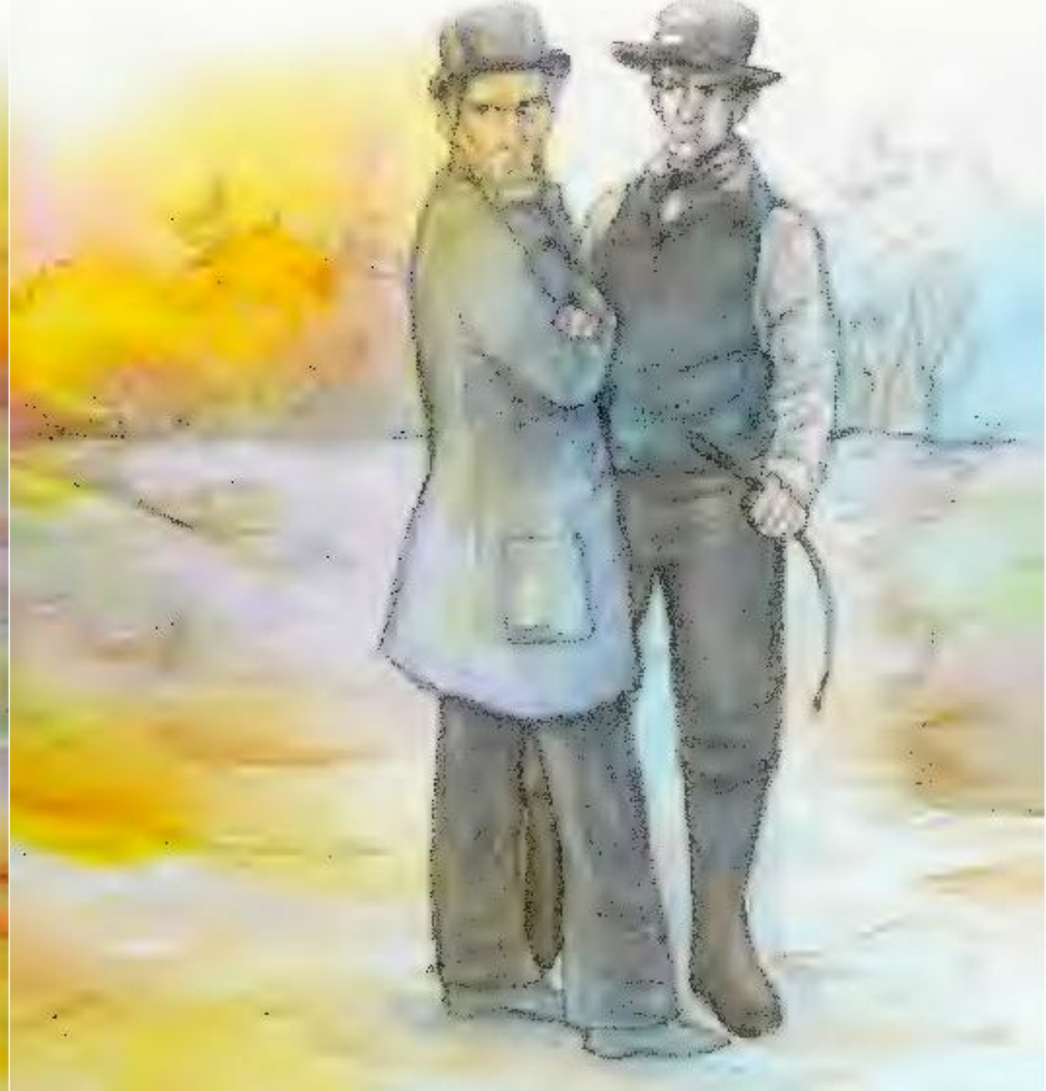


गोदी में, फ्रेडरिक ने
जहाज बनाने वालों को
लकड़ी पर अक्षर
लिखते हुए देखा.
फिर उसने चाक से
उनके लिखे हुए अक्षरों की
नकल की.

जब तक फ्रेडरिक
सोलह साल का हुआ,
वह हट्टा-कट्टा और
लंबा हो गया था.
उसका दिमाग भी
तेज़ हो गया था.



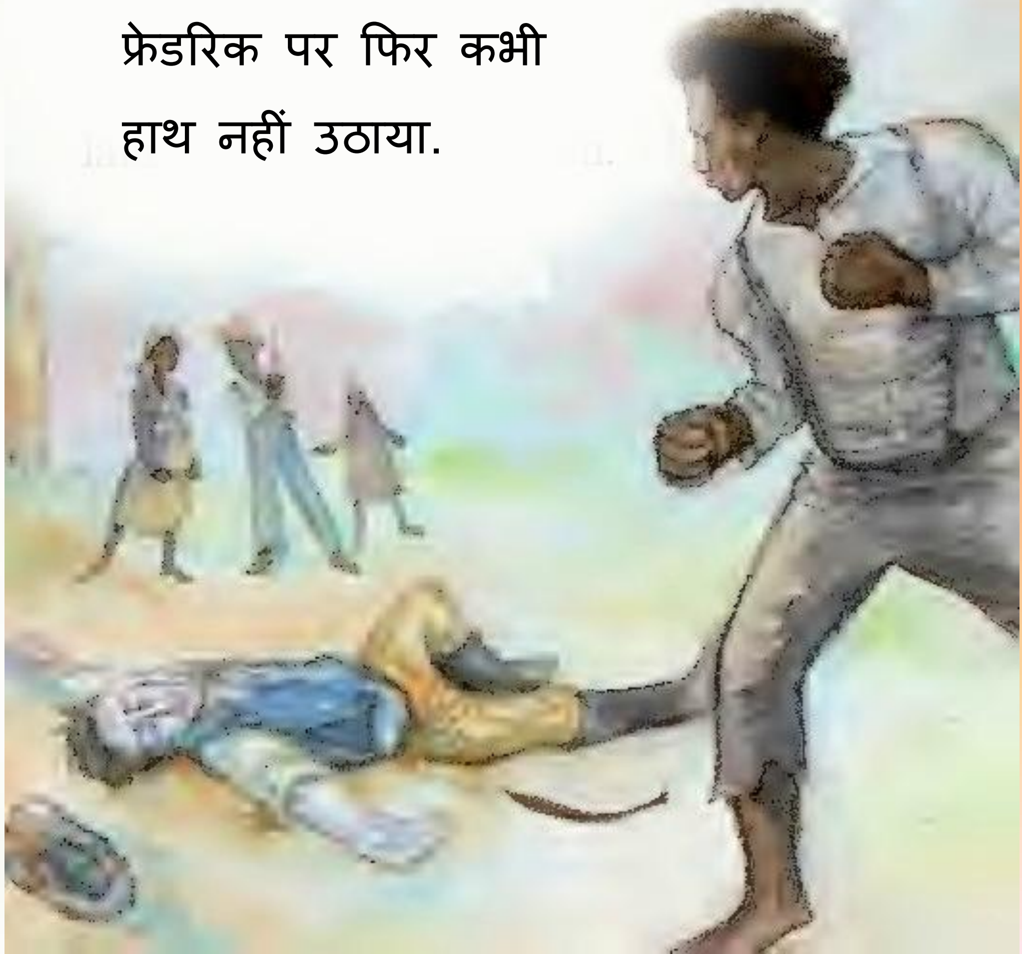
फ्रेडरिक का गुलाम मालिक
चिंतित था कि अब फ्रेडरिक
बहुत ज़्यादा सीख रहा है.
इसलिए उसने फ्रेडरिक को
किसी और आदमी के यहाँ
काम करने के लिए भेज दिया.



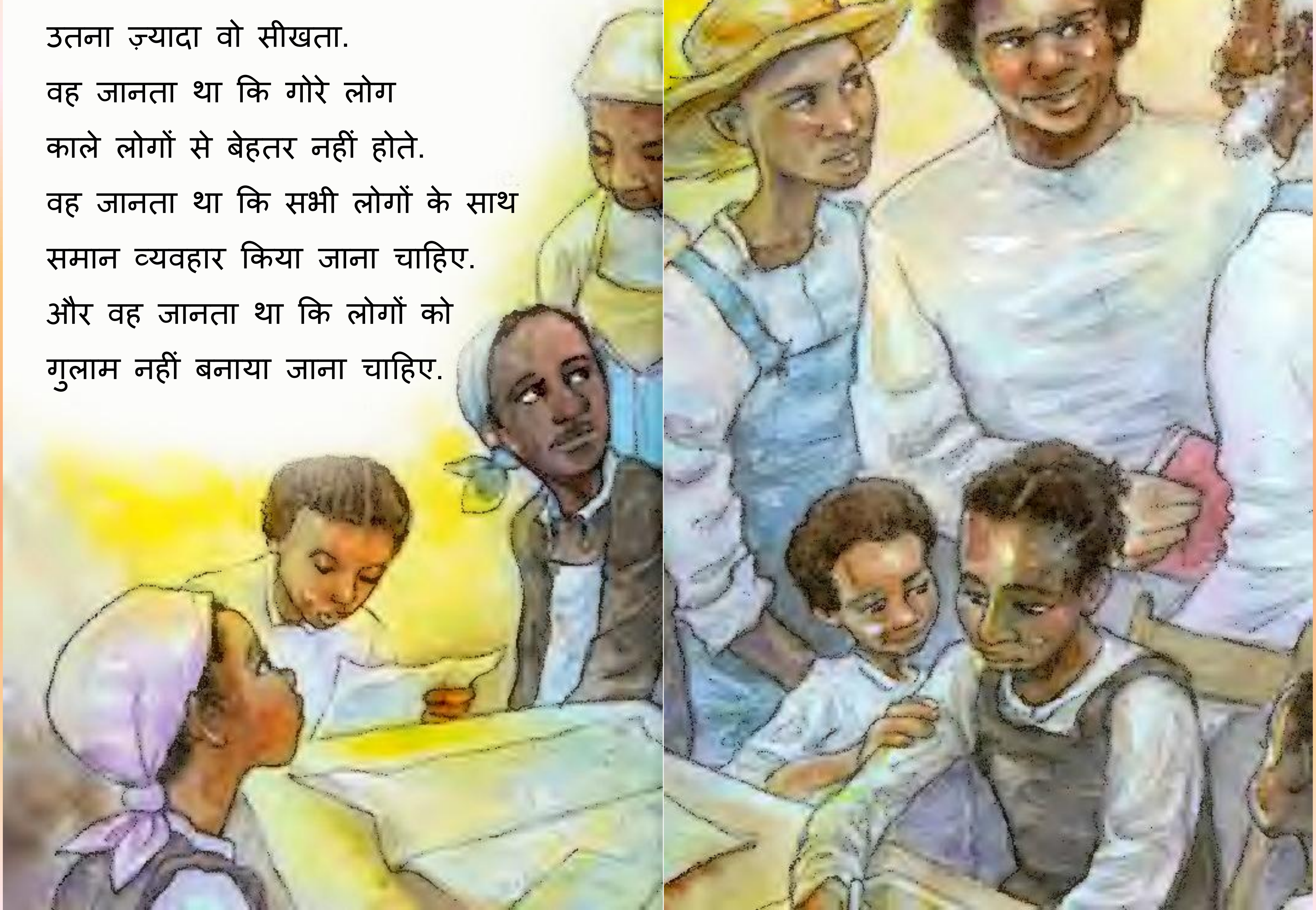


उस आदमी को फ्रेडरिक को
यह सबक सिखाने के लिए
पैसा दिया गया:
कि फ्रेडरिक बस एक गुलाम था
और कुछ नहीं.
उस आदमी ने फ्रेडरिक की
कई बार पिटाई की.

एक दिन,
फ्रेडरिक ने एक साहसी,
लेकिन जोखिम भरा फैसला लिया.
जब उस आदमी ने उसे पीटा,
फ्रेडरिक ने उसपर पलटवार किया—
और उसमें फ्रेडरिक जीता.
उसके बाद, उस गुलाम मालिक ने
फ्रेडरिक पर फिर कभी
हाथ नहीं उठाया.



फ्रेडरिक पढ़ता रहा.
जितना ज़्यादा वो पढ़ता,
उतना ज़्यादा वो सीखता.
वह जानता था कि गोरे लोग
काले लोगों से बेहतर नहीं होते.
वह जानता था कि सभी लोगों के साथ
समान व्यवहार किया जाना चाहिए.
और वह जानता था कि लोगों को
गुलाम नहीं बनाया जाना चाहिए.



एक साल बाद,
फ्रेडरिक उत्तर की ओर
भागने में सफल रहा,
वो एक ऐसे राज्य में गया
जहाँ गुलामी
गैर-कानूनी थी.

वहाँ उसकी मुलाकात
एक स्वतंत्र महिला से हुई
जिसका नाम अन्ना मरे था.
वह एक घर में नौकरानी थी.
उसने फ्रेडरिक की
भागने में मदद की.



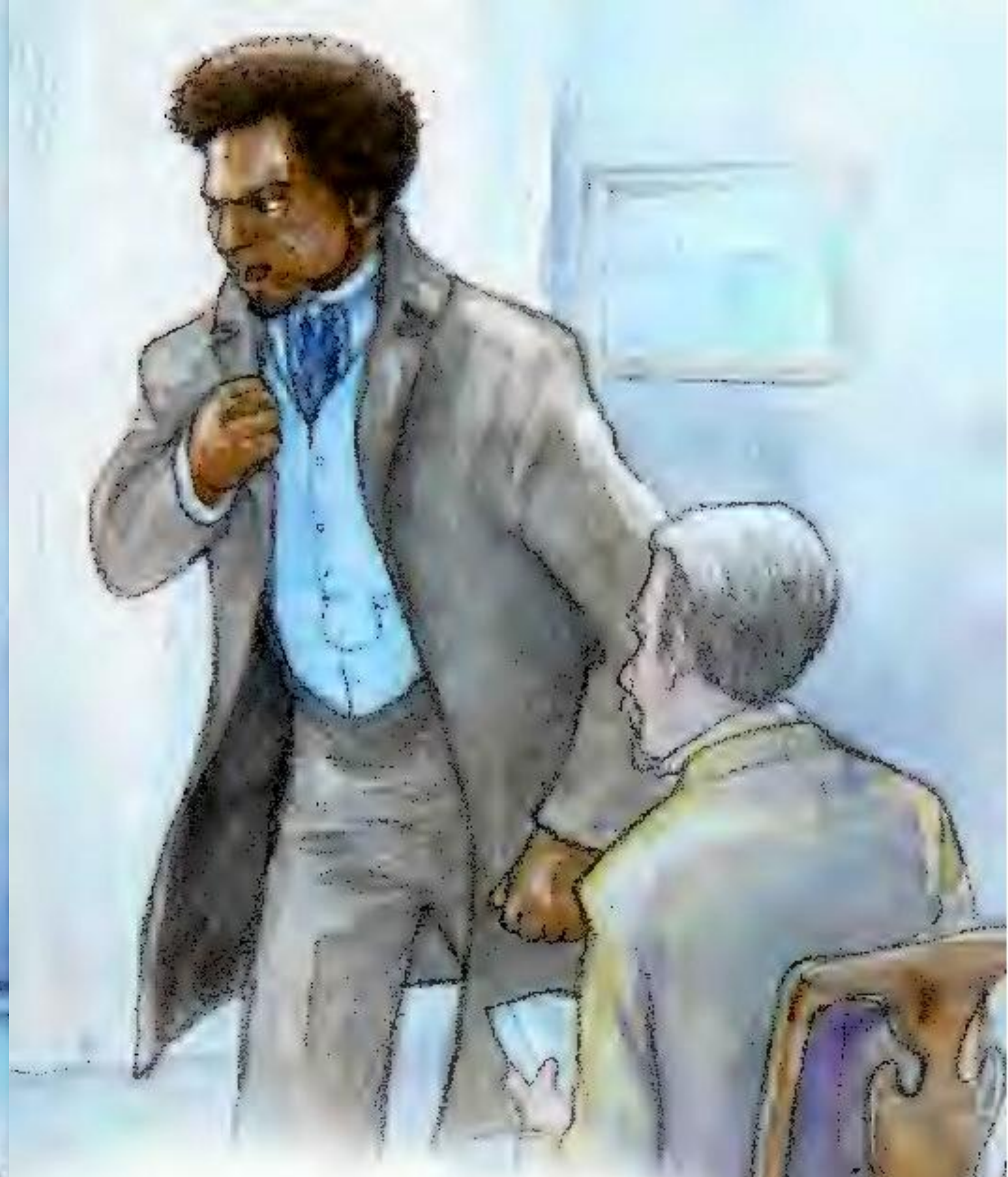


अन्ना ने अपने कपड़ों के ढेर में से
एक नाविक की वर्दी चुराई
ताकि फ्रेडरिक उसे एक नकली
वेशभूषा के रूप में पहन सके.
इस वेशभूषा और कुछ
दस्तावेज़ों से अन्ना ने
फ्रेडरिक की भागने में मदद की!

बारह दिन बाद,
फ्रेडरिक ने अन्ना से शादी कर ली.



न्यूयॉर्क में, फ्रेडरिक की
मुलाकात ऐसे लोगों से हुई
जो गुलामी को खत्म करना चाहते थे.
इन लोगों को "उन्मूलनवादी"
कहा जाता था.
"उन्मूलन" का अर्थ होता है
“उखाड़ फेंकना".



फ्रेडरिक ने गुलामी के विरुद्ध
उन्मूलनवादियों को
अपनी कहानी सुनाई.

उन्मूलनवादियों ने
फ्रेडरिक से
अपने जीवन के बारे में
भाषण देने को कहा.
फ्रेडरिक एक प्रभावशाली वक्ता थे.

वे जानते थे कि वह
दूसरे लोगों को यह
समझा सकते थे
कि गुलामी गलत है.
जल्द ही, फ्रेडरिक
हजारों लोगों को
भाषण दे रहे थे.



फ्रेडरिक ने एक किताब भी लिखी.

इसमें उन्होंने बताया कि

एक गुलाम व्यक्ति के रूप में

उन्होंने क्या-क्या झेला.

उन्होंने आजादी की लड़ाई में

अपनी जीतें भी बताईं.

उस पुस्तक का नाम है

"फ्रेडरिक डगलस

एक अमेरिकी गुलाम

का जीवन वृत्तांत."

देश भर के लोगों ने

और दुनिया भर के लोगों ने

उस किताब को पढ़ा.

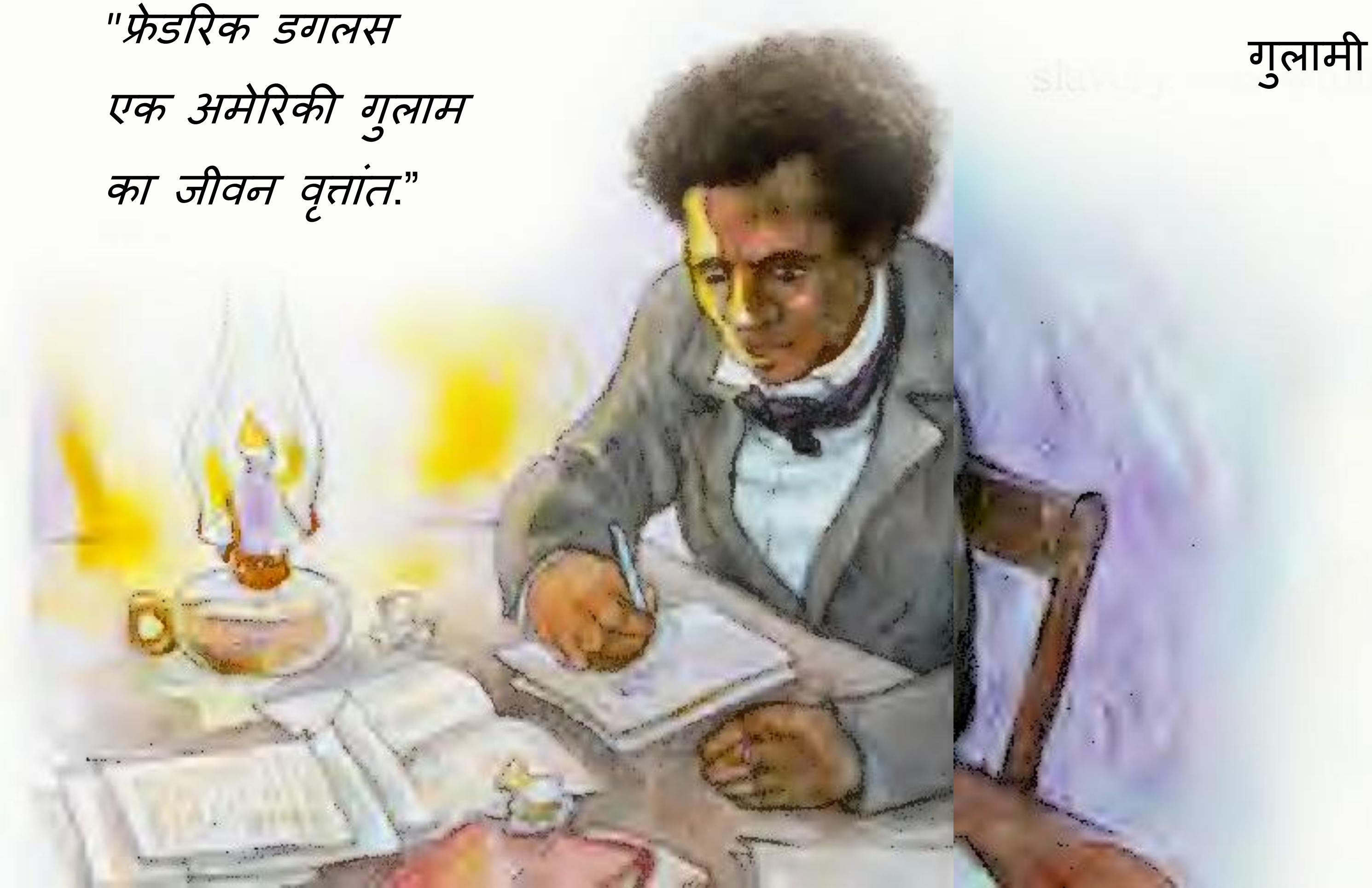
फ्रेडरिक की किताब

और उनके भाषणों के कारण,

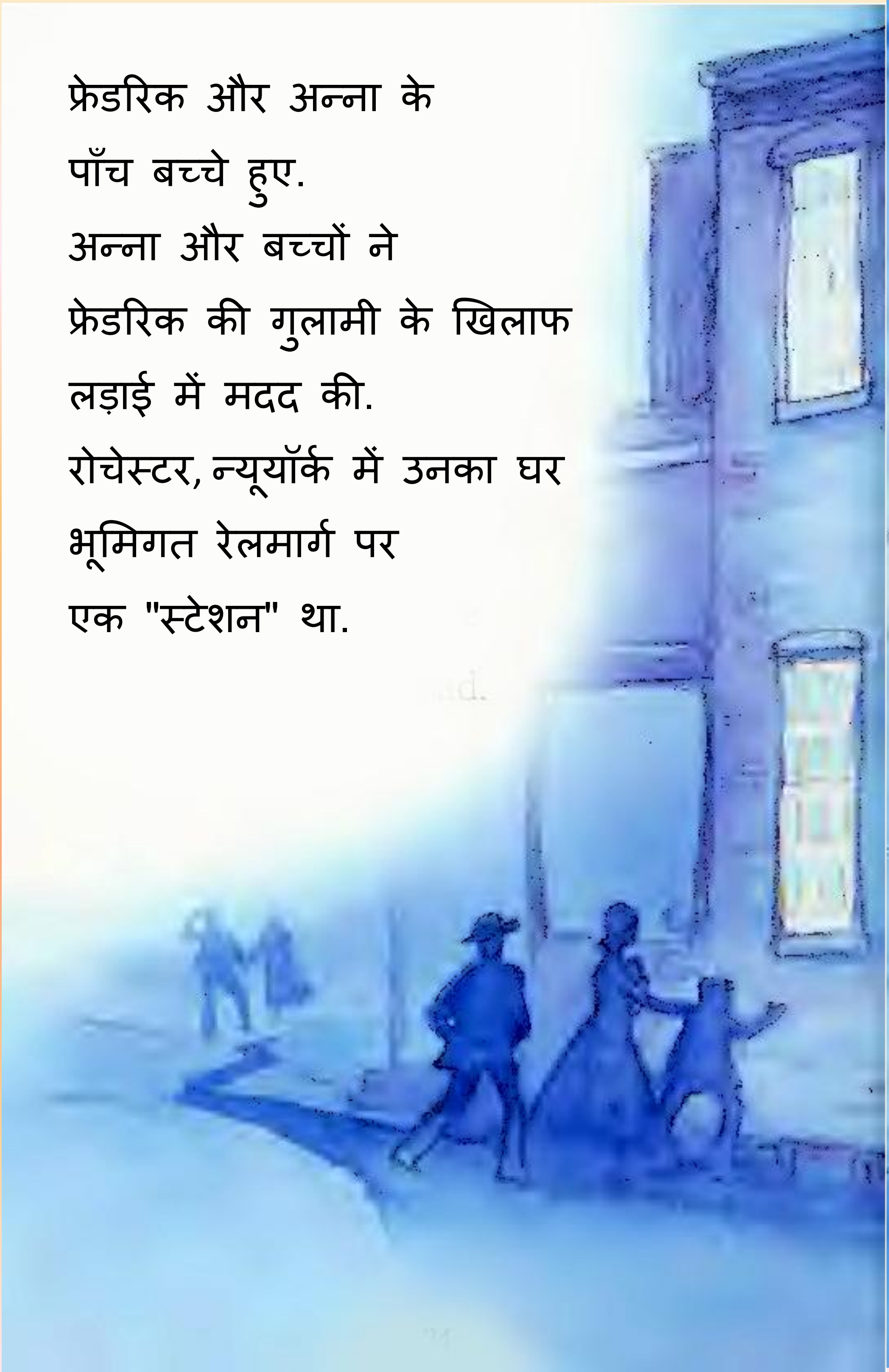
ज़्यादा लोग यह

समझने लगे कि

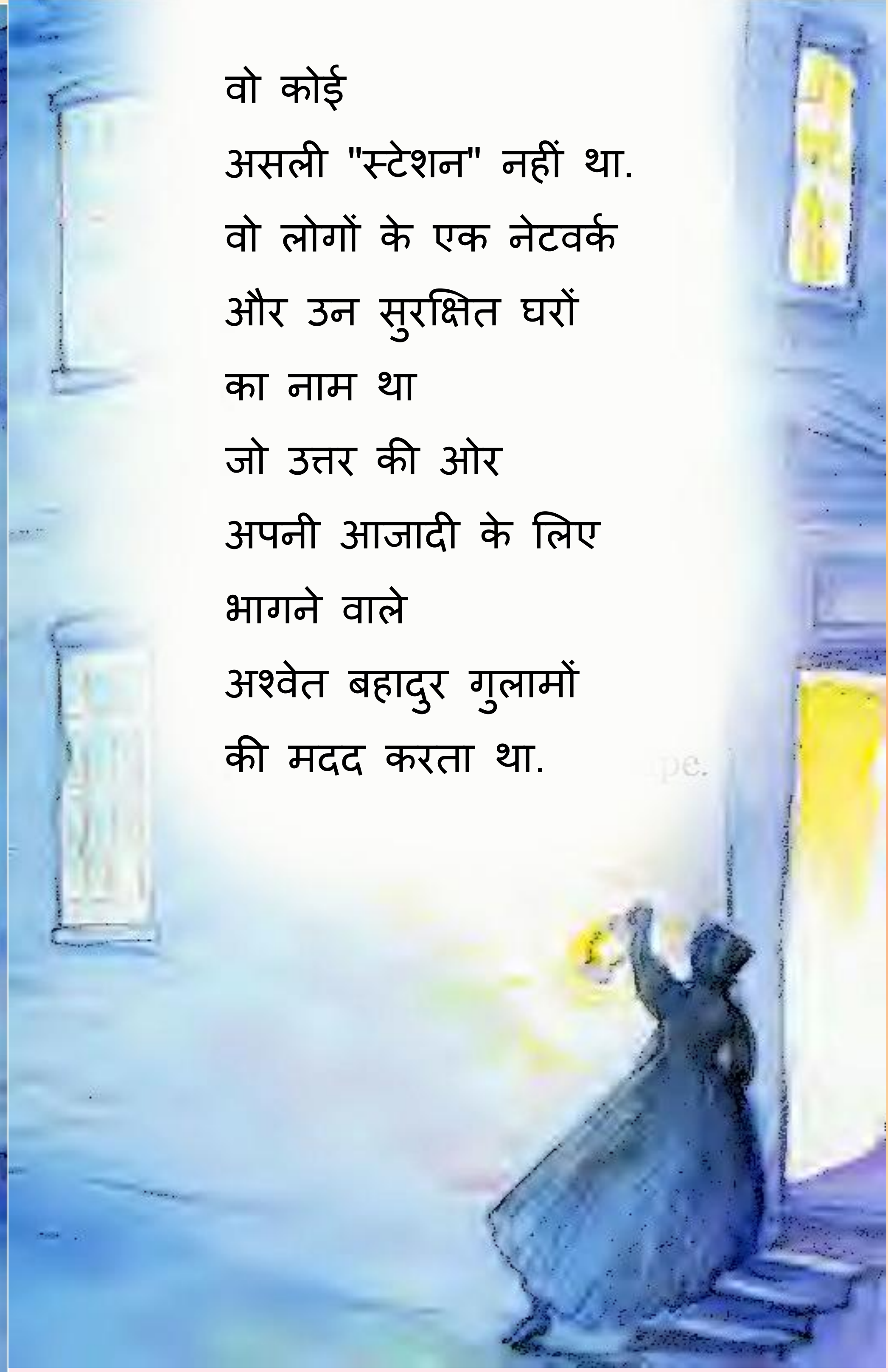
गुलामी प्रथा गलत थी.



फ्रेडरिक और अन्ना के
पाँच बच्चे हुए.
अन्ना और बच्चों ने
फ्रेडरिक की गुलामी के खिलाफ
लड़ाई में मदद की.
रोचेस्टर, न्यूयॉर्क में उनका घर
भूमिगत रेलमार्ग पर
एक "स्टेशन" था.

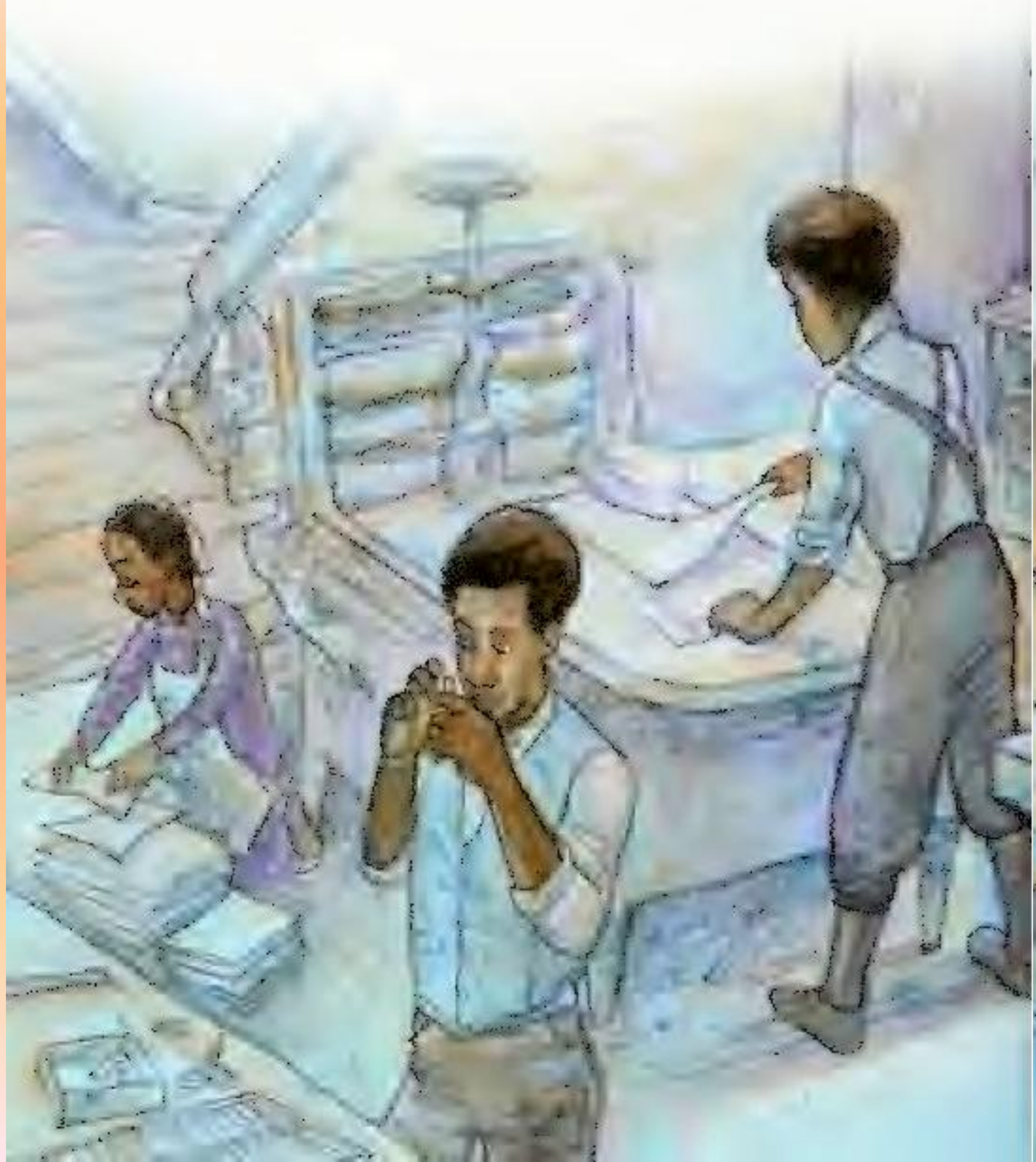


वो कोई
असली "स्टेशन" नहीं था.
वो लोगों के एक नेटवर्क
और उन सुरक्षित घरों
का नाम था
जो उत्तर की ओर
अपनी आजादी के लिए
भागने वाले
अश्वेत बहादुर गुलामों
की मदद करता था.

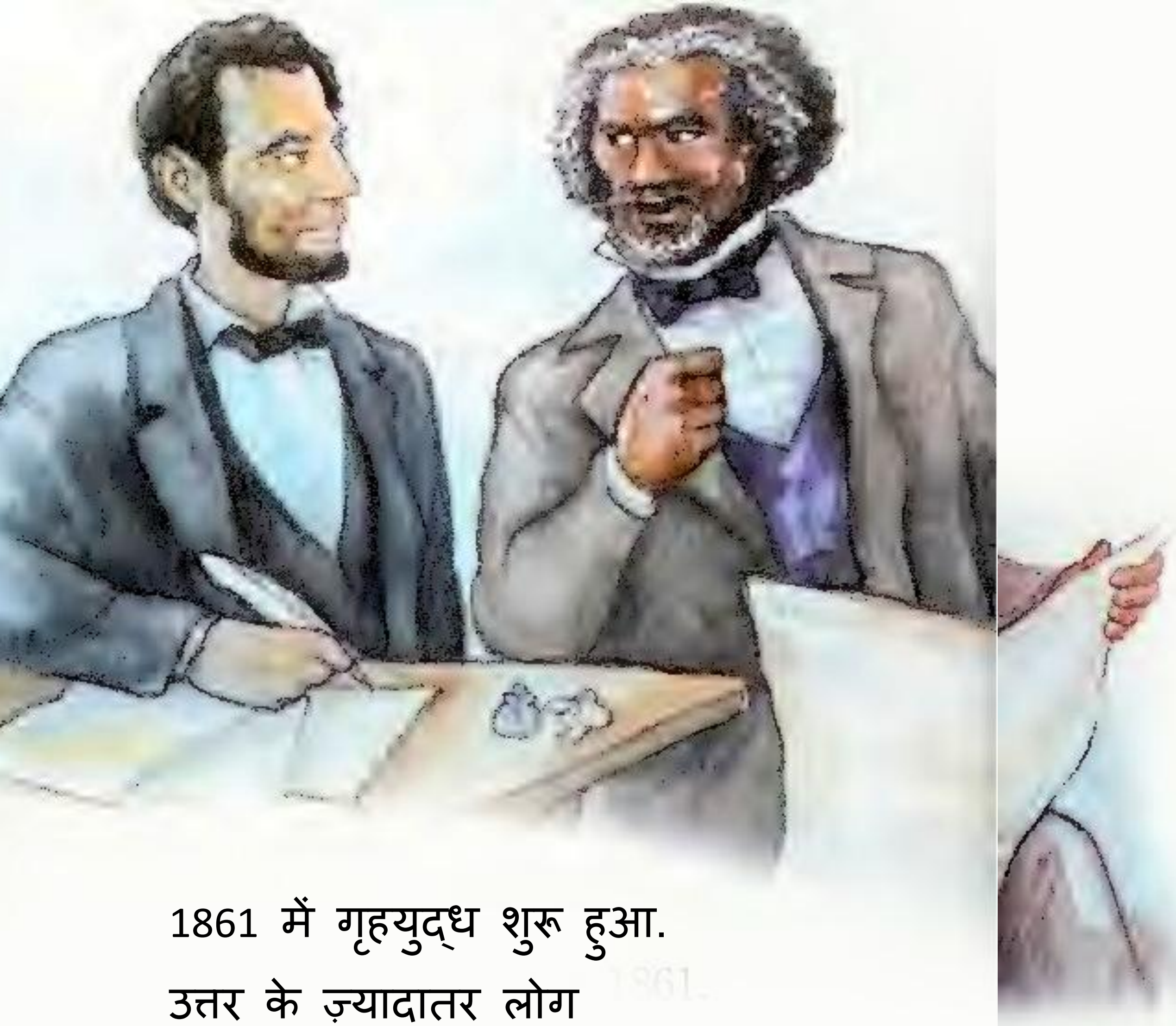


फ्रेडरिक के चार बच्चों ने
एक गुलामी-विरोधी अखबार
प्रकाशित करने में उनकी मदद की.
उसका नाम "नॉर्थ स्टार" था.

लुईस और फ्रेडरिक जूनियर ने
अखबारों को छापने में मदद की.
रोसेटा ने उन्हें मोड़ा.
चार्ल्स ने उन्हें लोगों तक पहुँचाया.







1861 में गृहयुद्ध शुरू हुआ.
उत्तर के ज़्यादातर लोग
गुलामी प्रथा को
खत्म करने के लिए लड़ रहे थे.
दक्षिण के ज़्यादातर लोग
गुलामी को बनाए
रखने के लिए लड़ रहे थे.

फ्रेडरिक ने लेख लिखे
और भाषण दिए
जिनसे अश्वेत लोगों को
सैनिक बनने की
प्रेरणा मिली.
फ्रेडरिक ने
राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन
से भी मुलाकात की
और उन्हें यह समझाया कि
अश्वेत सैनिकों के साथ भी
श्वेत सैनिकों जैसा व्यवहार
किया जाना चाहिए.

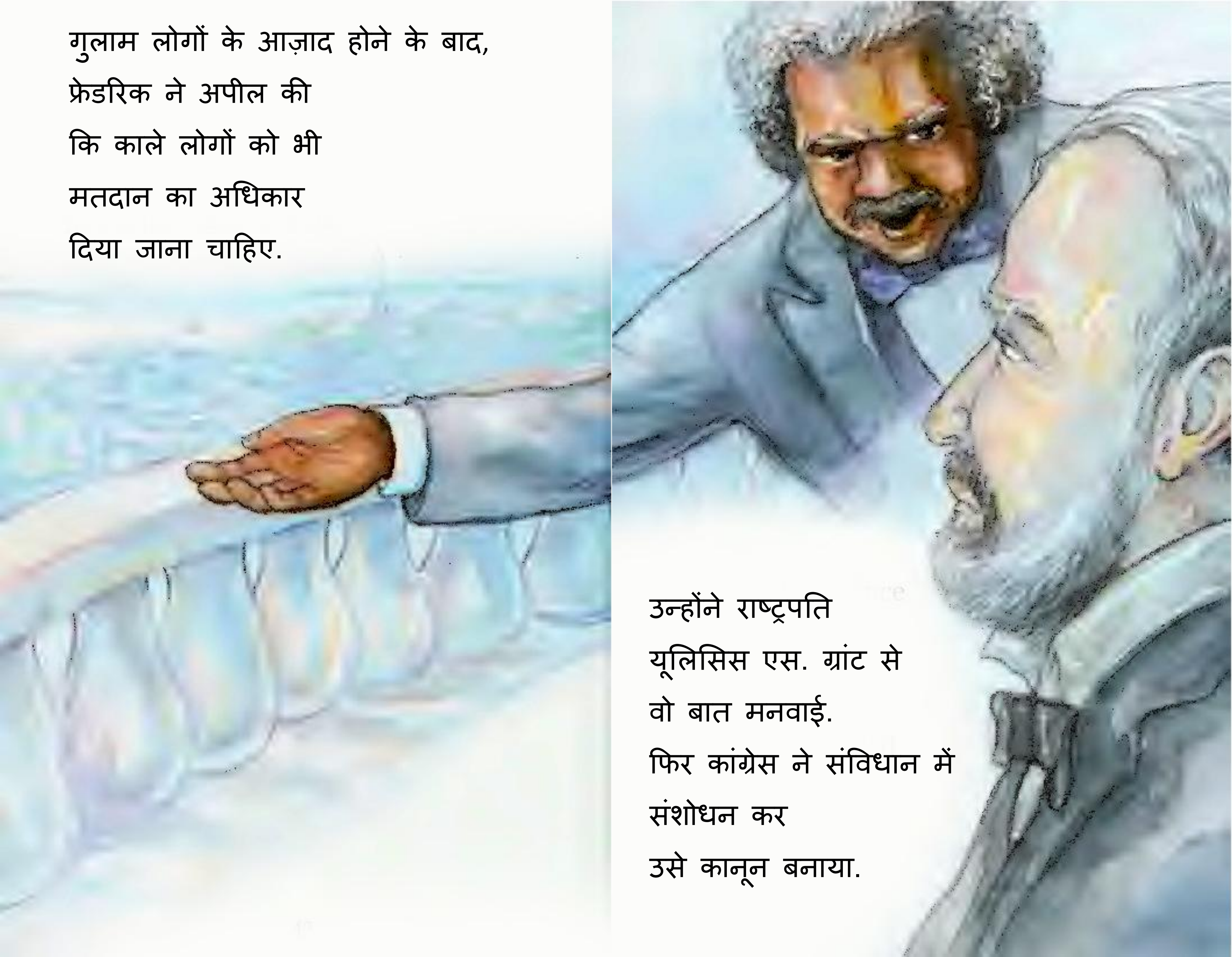
जल्द ही, बहुत से अश्वेत लोग
भी उत्तर के लिए लड़ने लगे.
अगले चार वर्षों में,
2,00,000 अश्वेत सैनिकों ने
उत्तर को युद्ध जीतने
और संयुक्त राज्य अमेरिका को
बचाने में मदद की.



उन सैनिकों में से दो
फ्रेडरिक के बेटे
चार्ल्स और लुईस भी थे!



गुलाम लोगों के आज़ाद होने के बाद,
फ्रेडरिक ने अपील की
कि काले लोगों को भी
मतदान का अधिकार
दिया जाना चाहिए.



उन्होंने राष्ट्रपति
यूलिसिस एस. ग्रांट से
वो बात मनवाई.
फिर कांग्रेस ने संविधान में
संशोधन कर
उसे कानून बनाया.



कई मायनों में

फ्रेडरिक ने इतिहास रचा.

लेकिन बहुत कम लोग इस बारे में जानते हैं:

जब फ्रेडरिक एक वयस्क व्यक्ति बने

तभी उन्होंने अपने लिए

एक जन्मदिन चुनने का फैसला किया.



फ्रेडरिक ने

अपनी माँ के बारे में सोचा.

उन्हें वह दिन याद आया जब

उनकी माँ मदद के लिए आयीं थीं.

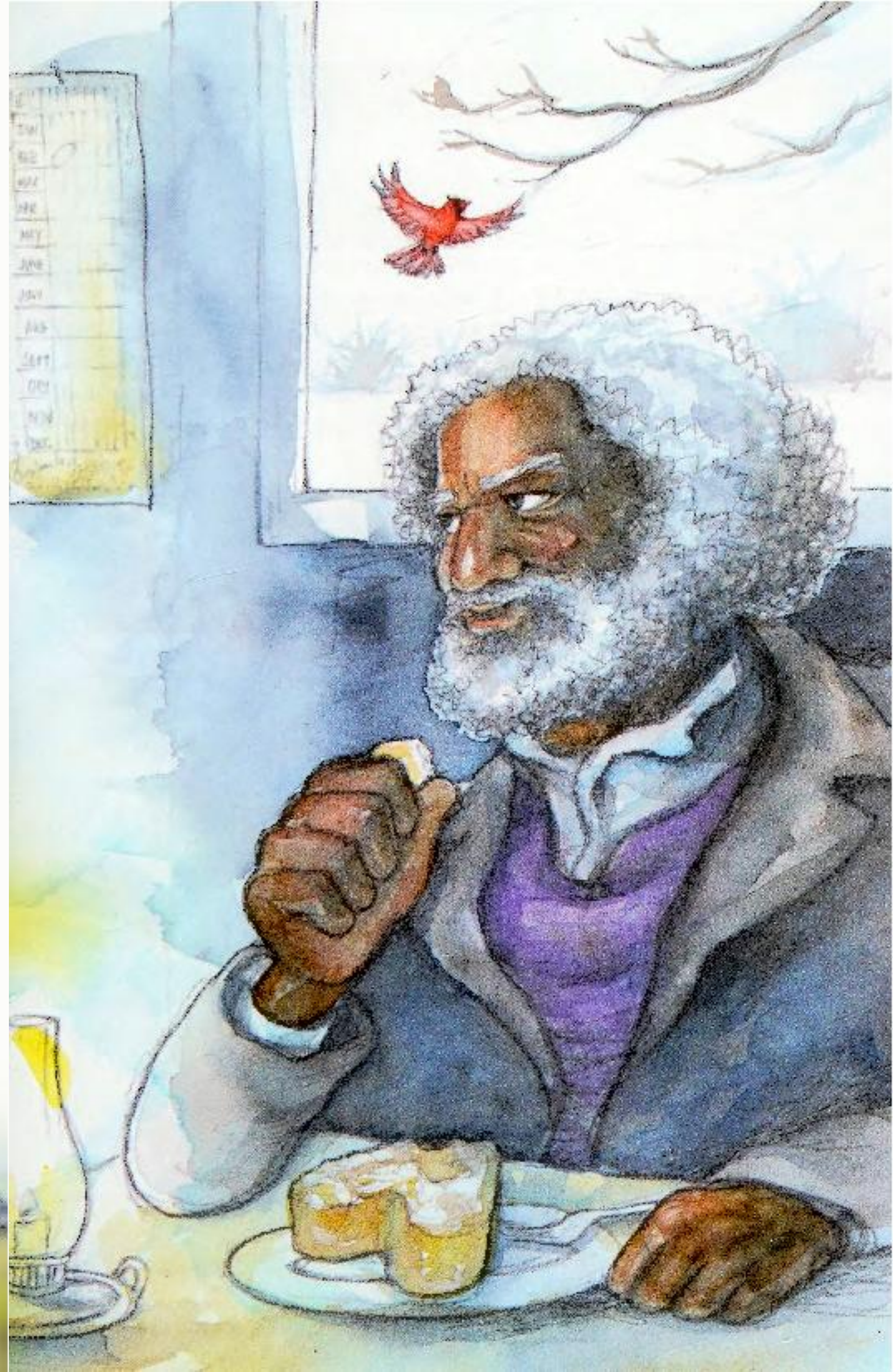
वह फरवरी का महीना था.

उन्हें वो दिल के आकार का केक

याद आया जो उनकी मां ने खास

उनके लिए बनाया था.

फ्रेडरिक ने
अपनी माँ की स्मृति
और उनके प्यार का सम्मान
करने का फैसला किया.
उन्होंने 14 फ़रवरी को अपना
"आधिकारिक" जन्मदिन चुना -
वेलेंटाइन-डे.



लेखक का नोट

अपने जीवन के अधिकांश समय तक, फ्रेडरिक यही मानते रहे कि उनका जन्म 1817 में हुआ था. बाद में फ्रेडरिक के दास-स्वामी द्वारा लिखा गया एक दस्तावेज़ मिला, जिसमें कहा गया था कि फ्रेडरिक का जन्म फ़रवरी 1818 में हुआ था. अधिकांश इतिहासकारों का मानना है कि यह दस्तावेज़ साबित करता है कि फ्रेडरिक का जन्म 1818 में हुआ था.

1926 में, अश्वेत इतिहास सप्ताह की स्थापना की गई. कार्टर जी. वुडसन नामक एक इतिहासकार उस समूह का हिस्सा थे जिन्होंने इस बात को स्थापित किया. वुडसन ने वह सप्ताह चुना जिसमें राष्ट्रपति लिंकन का जन्मदिन, 12 फ़रवरी, और फ्रेडरिक का जन्मदिन, 14 फ़रवरी शामिल था. वर्षों बाद, फ़रवरी अश्वेत "इतिहास माह" बना - अश्वेत अमेरिकियों के महत्वपूर्ण योगदान का जश्न मनाने का महीना.